राजधानी से प्रकाशित

अंदाज-ए-लखनऊ

हिन्दी साप्ताहिक

सीतापुर, शाहजहांपुर, प्रयागराज, हरदोई, हापुड़ से एक साथ प्रसारित

वर्ष-11 अंक-44 | लखनऊ, मंगलवार 26 जुलाई 2022 | पृष्ठ : 8 | मूल्य-1.00 रूपया

भगत सिंह को मानते है अपना आदर्श, हमे जेल जाने का खौफ नहीं: केजरीवाल

नई दिल्ली-दिल्ली सरकार की शराब नीति की सीबीआई जांच होगी, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। यह खबर सामने आने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री सरकार पर जमकर भड़के और कहा, हम इनको बताना चाहेंगे कि हमें जेल से डर नहीं लगता है। तुम लोग सावरकर की औलाद हो, जिसने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। हम भगत सिंह की औलाद हैं और उन्हीं को अपना आदर्श मानते हैं, जो अंग्रेजों के सामने झुकने से मना कर दिया और फांसी पर लटक गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर कहा, मुझे पता लगा कि इन लोगों ने मनीष सिसोदिया जी

के खिलाफ सीबीआई को एक केस भेजा है। सीबीआई कुछ दिनों में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने वाली है, मैंने यह आपको तीन चार महीने पहले ही बता दिया था मैंने अपने भाषणों में पहले ही सूचित कर दिया था। तीन चार महीने पहले जब मुझे इनके लोगों ने बताया कि यह लोग मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने वाले हैं तो मैंने पूछा कि आखिर उनको क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है? तो उन्होंने कहा कि अभी कोई केस नहीं है बल्कि ढूंढा जा रहा है, कुछ बना रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह सोचने की बात है कि आखिर हमारे पीछे हाथ धोकर यह लोग क्यों पड़े हैं? इसके तीन कारण हैं, पहला हम कट्टर इमानदार हैं और पूरे देश को भरोसा हो गया है कि आम आदमी पार्टी एक ईमानदार पार्टी है। यह हमारे ऊपर कीचड़ डालकर यह दिखाना चाहते हैं कि यह लोग भी हमारी तरह हैं। दूसरा कारण, जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी जीती है, पूरे देश में आम आदमी पार्टी की आंधी आई है, यह उसे रोकना चाहते हैं। कुछ भी कर लो आम आदमी पार्टी को पूरे देश में फैलने से नहीं रोक सकते।

तीसरा कारण, दिल्ली के कामों को यह रोकना चाहते हैं, दिल्ली के कामों की पूरे दुनिया में चर्चा हो रही है, स्वास्थ्य और शिक्षा बेहतर हुई, इसलिए पहले स्वास्थ्य मंत्री को जेल में डाला और अब मनीष को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, देश में अब एक नया सिस्टम बनाया जा रहा है पहले तय किया जाता है किस आदमी को जेल भेजना है और फिर उस आदमी के खिलाफ मनगढ़ंत एक केस बनाया जाता है। मैं मनीष को 22 साल से जानता हूं सन 2002 में मेरी पहली मुलाकात हुई थी, वह एक कट्टर देशभक्त और ईमानदार आदमी हैं।

अंतर्मन की सुनें, रुचि के विषयों पर ध्यान केंद्रित करें-मोदी

नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने अंतर्मन की सुनें और जिन विषयों के प्रति उनकी गहरी रुचि हो, उन्हीं विषयों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। विद्यार्थियों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''इन छात्रों की दृढ़ता और उनका समपर्ण सराहनीय है। उन्होंने परीक्षाओं की तैयारियां ऐसे समय में की जब पूरी मानवता विशाल चुनौती का सामना कर रही थी और इसके बावजूद उन्होंने यह सफलता हासिल की है।''

मोदी ने ट्वीट कर उन छात्रों का भी उत्साहवर्धन किया, जो परीक्षा परिणामों से खुश नहीं हैं। ऐसे छात्रों के लिए उन्होंने कहा कि एक परीक्षा उनके जीवन की व्याख्या नहीं कर सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में उन्हें और सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस साल के वार्षिक ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम का वीडियो भी साझा किया, जिसमें उन्होंने इम्तिहान के विभिन्न आयामों पर चर्चा की थी। एक अन्य ट्वीट में मोदी ने कहा, ''सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले युवा छात्रों के लिए अनेक अवसर इंतजार कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने द्रौपदी मुर्मू को उनके निर्वाचन का प्रमाण पत्र किया जारी

नयी दिल्ली निर्वाचन आयोग (ईसी) ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत हासिल करने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को शुक्रवार को 'निर्वाचन संबंधी प्रमाण पत्र जारी किया। निर्वाचन अधिकारी द्वारा आयोग को परिणाम सौंपे जाने के बाद प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। निर्वाचन आयोग ने ट्वीट किया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त(ईसी) अनूप चंद्र पांडेय ने आयोग को निर्वाचन अधिकारी से चुनाव परिणाम की घोषणा मिल जाने के बाद 'भारत की अगली राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू के निर्वाचन संबंधी प्रमाण पत्र पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। अब यह प्रमाण पत्र केंद्रीय गृह सचिव को भेजा जाएगा, जो इसे भारत के 15वें राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में पढ़ेंगे। शपथ ग्रहण समारोह 25 जुलाई को संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में होने की संभावना है। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। मुर्मू ने बृहस्पतिवार को एकतरफा मुकाबले में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराते हुए भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनकर इतिहास रच दिया। मुर्मू (64) को निर्वाचक मंडल सहित सांसदों और विधायकों के मतपत्रों की एक दिन की मतगणना में 64 प्रतिशत से अधिक वैध मत प्राप्त हुए और सिन्हा के खिलाफ उन्होंने भारी अंतर से जीत हासिल की। निर्वाचन अधिकारी पी सी मोदी ने 10 घंटे से अधिक समय तक चली मतगणना प्रक्रिया के खत्म होने के बाद मुर्मू को विजेता घोषित किया और कहा कि उन्हें सिन्हा को मिले 3,80,177 वोट के मुकाबले 6,76,803 वोट मिले। वह आजादी के बाद पैदा होने वाली और शीर्ष पद पर काबिज होने वाली सबसे कम उम्र की पहली राष्ट्रपति होंगी। वह प्रतिभा पाटिल के बाद राष्ट्रपति बनने वाली दूसरी महिला होंगी।

खादी झंडा बनाने वालों की बात संवेदना से सुने मोदी सरकार: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली-कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार को खादी से झंडा बनाने वालों की बात सुननी चाहिए और आयातित झंडे की बजाए खादी से बने झंडे खरीदने का संवेदनशील निर्णय लेना चाहिए। वाड्रा ने कहा कि सरकार को अपना फैसला बदलकर हजारों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बने खादी के झंडे के प्रसार को बढ़ाने वाले कदम उठाने चाहिए। इससे जुड़े हजारों कारीगरों और उनके परिवारों के सामने झंडे खरीदने की नई नीति के कारण संकट पैदा हो जाएगा,इसलिए खादी के झंडे खरीदने का सरकार को फैसला लेना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, श्विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा।श् ये मात्र शब्द नहीं हैं, 140 करोड़ भारतीयों की भावना है। हमारा झंडा विविध रंग, रूप, स्थान, बोली-भाषाओं, खान-पान व मान्यताओं वाले देश में एकजुटता, गौरव, सहिष्णुता, त्याग, बलिदान व आत्मबल का प्रतीक है। वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा श्मोदी जी खादी से बना तिरंगा देश के आत्मबल को दर्शाता है और इससे लाखों लोगों की जीविका जुड़ी है। आज के ऐतिहासिक दिन पर आशा है कि आप खादी से झंडा बनाने वालों की बात सुनेंगे और उनकी मांग पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेंगे।श् कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने भी खादी के झंडे पर मोदी सरकार की फैसले का विरोध किया और कहा कि कभी खादी पहनने की सलाह देने वाले मोदी अब खादी के झंडों से दूरी बना रहे हैं।उन्होंने कहा कि पाखंड जिंदाबाद! खादी से राष्ट्रीय ध्वज बनाकर अपनी आजीविका का निर्वहन करने वाले लोगों के जीवन पर कुठाराघात हो रहा है, वह भी उस खादी के लिए जिसे कभी नेहरू ने भारत की स्वतंत्रता की पोशाक के रूप में वर्णित किया था।

होमियो फार्मासिस्टों चयनित अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (यूएनएस)। नियुक्ति की मांग को लेकर होमियोपैथिक फार्मासिस्ट -2019 के चयनित अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को गोमती नगर, पिकअप भवन स्थित उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) परिसर में प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने आयोग से हाईकोर्ट की इलाहाबाद और लखनऊ बेंच में चल रहे मामले में पैरवी करने और जल्द से जल्द से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने की मांग की। अभ्यर्थियों ने बताया कि 2019 से भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। 414 अभ्यर्थियों चयन हुआ। इसके बाद ईडब्लूएस के अभ्यर्थी हाईकोर्ट चले गए थे। इस मामलों में न्यायालय ने 10 प्रतिशत सीटों पर स्टे लगाया। जिसमें आयोग को जवाबदेह बनाया गया है। इसके बावजूद दोनों मामलों में बीते आठ माह से आयोग की ओर से कोई पैरवी ही नहीं हो रही है। तारीख पर तारीख लग रही है। सभी 414 चयनित अभ्यर्थी शारीरिक, मानसिक व आर्थिक प्रताड़ना झेल रहे हैं।

सीबीएसई की 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित, लड़कियों ने लड़कों से बाजी मारी

दिल्ली केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बाजी मारी। हालांकि, पिछले साल के 99.37 प्रतिशत के मुकाबले इस साल 92.71 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। सीबीएसई ने पिछले साल विशेष आकलन योजना के आधार पर परिणाम घोषित किए थे क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण परीक्षाएं नहीं करायी जा सकी थीं। लेकिन इस बार परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित की गयीं। सीबीएसई ने कहा कि 2020 में पास प्रतिशत 88.78 फीसदी था जबकि 2019 में यह 83.40 फीसदी था। बोर्ड ने इस साल भी मेरिट लिस्ट की घोषणा नहीं की है। वह 2020 से मेरिट लिस्ट जारी नहीं कर रहा है जब महामारी के

कारण स्कूल बंद कर दिए गए थे। कुछ छात्रों और स्कूलों ने दावा किया कि उन्हें आधिकारिक घोषणा से काफी पहले नतीजे मिल गए थे। इस साल 94.54 प्रतिशत लड़कियों ने परीक्षा पास की है जबकि 91.25 प्रतिशत लड़के सफल हुए हैं। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम 100 फीसदी रहा। कुल 33,432 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए है जबकि 1,34,797 छात्रों ने 90 फीसदी अंक हासिल किए। साथ ही कुल 67,000 छात्रों को पूरक आया है। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''बोर्ड समिति ने समिति की सिफारिशों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। सिफारिशों को स्वीकार करने का फैसला किया गया और प्रथम सत्र के अंकों को 30 प्रतिशत का महत्व तथा द्वितीय सत्र के अंकों को 70 प्रतिशत महत्व दिया गया। प्रैक्टिकल पेपर (व्यावहारिक परीक्षा) के लिए भी दोनों सत्रों में इसी तरीके से अंकों को महत्व दिया गया है। जवाहर नवोदय विद्यालयों ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और उसके 98.93 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा पास कर ली। इसके बाद केंद्रीय तिब्बत स्कूल प्रशासन (सीटीएसए) द्वारा संचालित स्कूलों के 97.96 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए, केंद्रीय विद्यालयों के 97.04 प्रतिशत, सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों के 94.81 प्रतिशत, सरकारी स्कूलों के 93.38 प्रतिशत और निजी स्कूलों के 92.20 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए।

कांग्रेस के समय में तो बस्तियां जलाई जाती थीं: कंवर पाल गुर्जर

यमुनानगर हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुज्जर ने कांग्रेस के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया कि हरियाणा में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था कांग्रेस के समय में बदतर थी, तब बस्तियां जलाई जाती थी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ विधायकों को धमकी का मामला सरकार ने काफी गंभीरता से लिया है और हरियाणा के मुख्यमंत्री व गृहमंत्री ने इस संबंध में सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसमें कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। हरियाणा विधानसभा को पेपरलेस करने को

लेकर उन्होंने कहा कि इससे कागज का काफी नुकसान होता था, पर्यावरण को भी नुकसान होता था। इससे विधायकों को लाभ होगा। पहले विधायक व्यक्तिगत रूप से सवाल लिखकर देने के लिए आते थे, लेकिन अब वह कहीं से भी बैठकर अपने सवाल दे सकते हैं, उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी विधायकों को बिना विधानसभा सत्र के तीन सवाल पूछने की अनुमति होगी। हरियाणा में माइनिंग माफिया द्वारा डीएसपी को कुचलने के बारे में उन्होंने कहा कि माइनिंग के मामलों में पहले कई तरह की घटनाएं होती थी। अब सिस्टम को ऑनलाइन किया गया है। इसके बाद भी कुछ लोग गलत काम करते हैं, उन्होंने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि सरकार गंभीर है, जांच की जा रही है और भी जो लोग ऐसा काम करते हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनाए जाने पर उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति का धन्यवाद किया।

भारत 'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत श्रीलंका की सहायता कर रहा: जयशंकर

नयी दिल्ली-विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि भारत सरकार 'पड़ोस प्रथम' नीति के अनुरूप श्रीलंका को आर्थिक चुनौतियों से उबरने में उसकी सहायता कर रहा है । लोकसभा में एस रामलिंगम के प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात कही। सदस्य ने श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट से उबरने के लिये वित्तीय सहायता के बारे में जानकारी मांगी थी। ज्ञात हो कि श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण भोजन, ईंधन और दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं के आयात में बाधा आ रही है।

जयशंकर ने निचले सदन को बताया कि भारत सरकार ने पिछले 10 वर्ष में रेलवे, बुनियादी ढांचा, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम और उर्वरकों जैसे क्षेत्रों में श्रीलंका को 185.06 करोड़ डालर की आठ ऋण सुविधाएं (एलओसी) प्रदान की है। विदेश मंत्री ने बताया, '' सरकार की 'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस नीति के अनुरूप भारत-श्रीलंका के आर्थिक विकास के साथ साथ उसकी आर्थिक चुनौतियों को दूर करने में भी उसकी सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2022 में भारत ने दक्षिण एशियाई देशों का क्षेत्रीय संगठन (दक्षेस) ढांचे के तहत श्रीलंका के साथ 40 करोड़ डालर मुद्रा की अदला-बदली की और एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) के उत्तरोत्तर भुगतान को छह जुलाई 2022 तक स्थगित कर दिया। उन्होंने बताया कि श्रीलंका को छह करोड़ रूपये की आवश्यक दवाएं, 15,000 लीटर केरोसीन तेल और यूरिया उर्वरक की खरीद के लिये मानवीय सहायता के रूप में 5.5 करोड़ डालर की ऋण सहायता दी गई थी।

जयशंकर ने बताया कि तमिलनाडु सरकार ने व्यापक भारतीय सहायता प्रयासों के तहत 1.6 करोड़ डालर के चावल, दूध पाउडर और दवाओं का योगदान किया । उन्होंने कहा कि भारत सरकार की भारतीय विकास एवं आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के दिशानिर्देशों के अनुसार ऋण सहायता के तहत विकास सहायता भी प्रदान की जाती है।

पानी की हरेक बूंद की समझनी होगी कीमत: योगी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार भूजल सप्ताह मना रही है। इस सप्ताह के समापन पर आज लखनऊ के लोकभवन में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी के अलावा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्य मंत्री रामकेश निषाद, प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव भी मौजूद थे। लेकिन अपना इस्तीफा देकर चर्चाओं में आए दिनेश खटीक कार्यक्रम में नही आए थे। हालांकि कार्यक्रम के लिए जो पोस्टर और बैनर लगाया था, उसमें दिनेश खटीक का नाम लिखा हुआ था। इसको लेकर एक बार फिर सियासी गलियारों में चर्चा शुरु हो गई। हालांकि बताया गया कि दिनेश खटीक मेरठ मे है। इस कार्यक्रम में नही आने के पीछे नाराजगी नही है। क्योंकि गुरुवार को सीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने

सब-कुछ ठीक होने की बात की थी। उनका इस्तीफा भी अस्वीकार हो चुका है। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले पांच सालों में भूगर्भ जल के संरक्षण की दिशा में बेहतर काम किया गया है। इस कार्य को बढ़ाने की जरूरत है। पानी की बूंद-बूंद की कीमत को हमें समझना होगा। सीएम योगी ने कहा कि भूगर्भ जल के साथ वर्षा की हरेक बूंद को संरक्षित करने के पवित्र अभियान से प्रदेश भर के लोगों को जुड़ना होगा। सीएम योगी ने इस दौरान नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पांच सालों में भूगर्भ जल संरक्षण की दिशा में बेहतर काम किया गया है, लेकिन अभी और भी बहुत कुछ काम करने की जरूरत है। भूगर्भ जल सप्ताह के समापन समारोह के दौरान सीएम योगी ने जल संरक्षण की दिशा में विशिष्ट कार्य करने वाली प्रदेश की 10 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। सीएम योगी ने यहां भूजल एटलस का विमोचन किया। भारत सरकार की नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट में भूगर्भ जल विभाग उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए मिले सम्मान चिन्ह को सीएम को भेंट किया गया। सीएम ने कहा कि हमारे पास ग्राउंड वॉटर भी है, सरफेस वॉटर भी है, लेकिन उनके संरक्षण के लिए जो कार्य करने चाहिए थे, नही हुआ, लिहाजा डार्क जोन की संख्या बढ़ती गई।

स्नेहा को मिली 64,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ (यूएनएस)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की छात्रा स्नेहा सिंह को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की टिफ्फिन यूनिवर्सिटी द्वारा 64,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। स्नेहा को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि स्नेहा ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. छात्रा की सफलता पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री

शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है। श्री शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 90 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक), मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.), स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी एवं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफसिंगापुर आदि में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर

बिजली उपभोक्ताओं को कनेक्शन काटने के फर्जी मैसेज भेज रहे है ठग

लखनऊ (यूएनएस)। बिजली उपभोक्ताओं को कनेक्शन काटने के फर्जी मैसेज भेजे जा रहे हैं। इस सन्दर्भमें उ0प्र0 पावर कारपोरेषन को सूचना प्राप्त होने के बाद कारपोरेषन अध्यक्ष एम0 देवराज ने ऐसे कॉल पर विभागीय अधिकारियों द्वारा पुलिस को सूचित करने एवं एफ0आई0आर0 दर्ज कराने के निर्देष दिये हैं। कुछ स्थानों से ऐसी सूचनायें प्राप्त हुई हैं कि बिजली उपभोक्ताओं को 10 अंको के अलग-अलग मोबाइल नम्बरों से मैसेज भेजे जा रहे हैं, इसमें कनेक्षनकाटने की चेतावनी देकर कॉल बैक करने पर उपभोक्ताओं की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जाता है। ऐसे अज्ञात लोगों के खिलाफबिजली कंपनियों द्वारा मुकदमें दर्ज कराए जा रहे है साथ ही उपभोक्ताओं के लिए सलाह भी दी गयी है कि वह ऐसे एसएमएसपर ध्यान न दें। इस सन्दर्भ में उ0प्र0 पावर कारपोरेषन के आई0टी0 सेल द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विद्युत वितरण निगमों द्वारा केवल यूपी पीसीएलटी एवं यूपी पीसीएलए हैडर से ही बिल भुगतान, विद्युत आपूर्ति आदि की सूचना प्रेषित की जाती है। किसी भी अन्य स्त्रोत एवं हैडर और दस अंकों के मोबाइल नम्बर से प्राप्त एस0एम0एस0 पर ध्यान न दें और न ही कोई लिंक खोलें। इस सन्दर्भ में कारपोरेषन द्वारा हजरतगंज थाने एवं सेक्टर 39 नोएडा में एक एफआईआर भी करायी जा चुकी है जिससे आर्थिक जालसाजी करने वालों पर प्रभावी कार्यवाही की जा सके।

एलपीएस के छात्रों ने सीबीएसई-10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में बनाया कीर्तिमान

लखनऊ (यूएनएस)। आज सी.बी.एस.ई.-10वी एवं 12वी, वर्ष 2021-22 का परीक्षा परिणाम जारी किया गया। सी.बी.एस.ई.-12वीं की परीक्षा में एलपीसी गोमती नगर शाखा के शौर्य कुमार मौर्या ने 96.6 प्रतिशत, वृन्दावन योजना शाखा की ईशा खण्डेलवाल ने 96.4 प्रतिशत, गोमती नगर शाखा के प्रथम कुमार झा 96 प्रतिशत, आदित्य अग्रवाल 95.8 प्रतिशत, सौम्या 95.8 प्रतिशत, वृन्दावन योजना शाखा के अक्षत राज ने 95.6 प्रतिशत, अवन्तिका तिवारी ने 95.4 प्रतिशत, आम्रपाली योजना शाखा के कार्तिकेय त्रिपाठी ने 94.8 प्रतिशत, गोमती नगर शाखा के अनुराग एवं अनुष्का पाण्डेय ने 94.8 प्रतिशत, आम्रपाली योजना के विश्वास सिंह ने 94.6 प्रतिशत, अभिनव आनन्द ने 94.4 प्रतिशत तथा वृन्दावन योजना शाखा के हर्ष सिंह ने 94.4 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। सी.बी.एस.ई.-10वीं की परीक्षा में एलपीसी आम्रपाली शाखा के शौर्य शुक्ला 98 प्रतिशत, वृन्दावन योजना शाखा की सान्या चौधरी 97.4 प्रतिशत, गोमती नगर शाखा की अनुष्का चौरसिया 97.4 प्रतिशत, आकांक्षा यादव, अनन्या वर्मा 97.2 प्रतिशत, शिवम मौर्या 97 प्रतिशत, अनुराग सिंह 96.8 प्रतियात, आम्रपाली शाखा के रवि यादव 96.8 प्रतिशत, गोमती नगर शाखा के शुभम द्विवेदी 96.6 प्रतिशत, वृन्दावन योजना शाखा के सौभाग्य सिंह 96.2 प्रतिशत तथा गोमती नगर शाखा की शिखा सिंह ने 96 प्रतिशत अंक पाने में सफलता हासिल की। इस अवसर पर संस्थापक प्रबन्धक डॉ. एस.पी. सिंह ने बच्चों, सभी शिक्षकों, प्रधानाचार्यों व अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चों को हर समय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि आगे आने वाला समय परीक्षाओं से भरा हुआ है। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे मनोयोग और उत्साह के साथ करने की भी सलाह दी।

डाक विभाग का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु विशेष अभियान

लखनऊ (यूएनएस)। प्रधानमंत्री की किसानों के लाभ के लिए महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लोगों को जोड़ने के लिए डाक विभाग आगे आया है। अब डाकघरों के माध्यम से भी इस योजना का लाभ उठाया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में डाक विभाग की पहुँच को देखते हुए इससे किसानों को काफी सहूलियत होगी। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में इसके लिए 23 जुलाई को विशेष अभियान चलाया जायेगा। पीएमजी वाराणसी परिक्षेत्र कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि वाराणसी परिक्षेत्र के 6 जनपदों वाराणसी, भदोही, चन्दौली, गाजीपुर, जौनपुर और बलिया के अधीन 1699 डाकघरों में यह विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि इसका फायदा अधिकाधिक किसानों तक पहुँच सके और ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना में कवर किया जा सके। इस माह वाराणसी परिक्षेत्र में अभी तक 800 से अधिक किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत डाकघरों के माध्यम से पंजीकरण करा चुके हैं। डाकघरों के माध्यम से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के ऑनलाइन आवेदन हेतु किसान की खतौनी, आईडी कार्ड आधार कार्ड, पैन कार्ड , वोटर आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस व बैंक पासबुक साथ लाना होगा। खरीफ व रबी फसलों के लिए क्रमशः 2 फीसदी व 1.5 फीसदी का प्रीमियम अदा करना होगा। खरीफ फसलों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कवर करने हेतु पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

अडंरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने फर्जी पासपोर्ट को लेकर सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में दिए बयान,कहा, मैं निर्दोष हूं

लखनऊ (यूएनएस)। अडंरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम पर फर्जी पासपोर्ट के मामले में सीबीआई स्पेशल कोर्ट में बयान दर्ज हुए है। जिसके चलते आज सलेम को कड़ी सुरक्षा में नवी मुंबई की तलोजा जेल से स्पेशल जज समृद्धि मिश्रा की कोर्ट में पेश होने के लिए लाया गया। इस मामले में अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। वही फर्जी पासपोर्ट के मामले में सलेम ने खुद को निर्दोष बताया है। बता दे कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से गवाही पहले ही खत्म हो चुकी है। वही अब इस मामले में अबू सलेम के बयान दर्ज हुआ है। जहा आरोपी अबू सलेम अब्दुल कयूम अंसारी ने 1993 में लखनऊ पासपोर्ट ऑफिस से अपने साथी परवेज आलम और समीर जुमानी केसाथ साजिश रच, जालसाजी से अकील अहमद आजमी केनाम सेपासपोर्टकेलिए आवेदन किया था। वही जिस दस्तावेज केआधार पर पासपोर्ट का आवेदन किया गया था वह सब फर्जी थे। इसी पासपोर्ट का उपयोग सलेम द्वारा किया गया था। इस मामले की खबर सीबीआई को दी गई थी। जिसके बाद सीबीआई ने अबू सलेम के खिलाफ धारा 471 लगाकर चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट पर संज्ञान लेने के बाद कोर्ट ने 5 जून 2009 को अबू सलेम पर लगे आरोपों की पुष्टि कर आगे की कारवाई शुरू कर दी थी। इसी कड़ी में अब सलेम का बयान दर्ज किया गया है। साथ ही कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तारीक 4 अगस्त तय की है।

ऋषि का सद्साहित्य पीढ़ा पतन से मुक्ति दिला सकता है: उमानंद शर्मा

लखनऊ (यूएनएस)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत कृष्णा नर्सिंग एण्ड पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट रायबरेली रोड लखनऊ के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 367वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट गायत्री मंदिर इन्दिरा नगर लखनऊ सक्रिय कार्यकर्ती मनोरमा पाण्डेय ने स्वास्थ्य लाभ, परिवार के उज्जवल भविष्य के लिए भेंट किया। ऊषा सिंह ने छात्र छात्राओं एवं शिक्षिक शिक्षिकाओं को अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ''ऋषि का सद्साहित्य पीढ़ा पतन से मुक्ति दिला सकता है। ऊषा सिंह एवं संस्थान के निदेशक डॉ. तेजुल जे. चतुर्वेदी ने भी अपने विचार रखे, वरिष्ठ अधिकारी आशुतोष पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शाइन सिटी के डायरेक्टर का फ्लैट कुर्क

60 हजार करोड़ की ठगी कर भाग गया है दुबई, 400 से ज्यादा दर्ज है केस

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में शुक्रवार को शाइन सिटी के खिलाफआर्थिक अपराध शाखा यानी ईओडब्लयू ने बड़ी कार्रवाई की। कंपनी के डायरेक्टर राशिद नसीम का फ्लैट और 2 करोड़ का सामान कुर्क किया गया। उस पर यूपी समेत देश भर के लोगों से 60 हजार करोड़ की ठगी करने का आरोप है। राशिद पर गोमतीनगर थाने समेत प्रदेश के कई थानों में 400 से ज्यादा केस दर्ज हैं। इस मामले की जांच ईओडब्लयू कर रही है। 2019 में उसको नेपाल में गिरफ्तार किया गया था। मगर, जमानत मिलने के बाद वह दुबई भाग गया और तब से फरार है। गोमतीनगर इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। ईओडब्लयू गोमतीनगर और हजरतगंज पुलिस ने राशिद नसीम के घर की कुर्की की। पुलिस टीम ने डालीबाग के ग्रेंडियर अपार्टमेंट में उसके फ्लैट में रखे समान की गिनती की। फ्लैट के साथ करीब दो करोड़ की संपत्ति को सीज किया गया। कुर्की के दौरान पीएसी भी मौजूद रही। राशिद नसीम ने शाइन सिटी नाम से रियल स्टेट कंपनी खोली थी। उसने आम लोगों से करीब 60 हजार करोड़ रुपए ठगे। राशिद और उसके भाई आसिफनसीम के खिलाफयूपी के अलावा दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुवाहाटी में भी केस दर्ज हैं। सिर्फ लखनऊ के गोमतीनगर थाने में ही 238 केस दर्ज हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने भी दोनों भाइयों समेत कंपनी के 6 अफसरों के खिलाफ मनी लांड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया है। राशिद नसीम मूल रूप से प्रयागराज करेली के जीटीबी नगर का रहने वाला है। करीब 20 साल पहले वह मल्टीलेवल मार्केटिंग कंपनी स्पीक एशिया का मामूली एजेंट था। वहां से उसने ठगी सीखी। इसके बाद उसने लखनऊ के डालीबाग में ग्रैंड न्यू अपार्टमेंट में एक ऑफिस खोला। जनवरी, 2013 में उसने शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से रियल स्टेट कंपनी शुरू की। उसका ऑफिस गोमतीनगर के आर स्क्वायर मॉल में बनाया। राशिद के पास एक इंच भी जमीन नहीं थी। मगर, उसने लखनऊ के आसपास रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के प्रचार के लिए खेतों में होर्डिंग लगाई। किसानों को एक होर्डिंग लगाने के एवज में हर महीने 20 से 25 हजार रुपए किराया दिया। उस जमीन को उसने अपनी साइट बताकर लोगों को दिखा कर ठगी की।

सम्पादकीय

व्यक्ति अपराधी हो सकता है पर प्रार्थना पवित्र होती है

न्याय झूठ को आगे बढ़ाने वालों से कहीं आगे का देख लेता है। कथन दार्शनिक हरक्यूलिस का है और मोहम्मद जुबैर के मामले में उन्हें जमानत का मिल जाना अनेक पत्रकारों, कलाकारों, फिल्मकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए उम्मीद बनकर आया है। हुकूमतें हमेशा अपने से अलग चलने वालों को दबा देना चाहती हैं, रौंद डालना चाहती हैं। आनंद तेलतुंबड़े, स्टेन स्वामी, वारवारा राव,, मोहम्मद जुबैर और अविनाश पर मुकदमे कायम करती है और जिन पर मुकदमे नहीं होते, जैसे गौरी लंकेश, गोविंद पंसारे, एमएम कलबुर्गी और नरेंद्र दाबोलकर की हत्या का जश्न मनाती हुई दीखती है। ऑल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को बुधवार के दिन सुप्रीम कोर्ट से जमानत क्या मिली पत्रकारों के चेहरे उम्मीद से दमकने लगे क्योंकि गोदी मीडिया के दौर में भी कई ऐसे हैं जो केवल खुरदुरी नहीं बल्कि बेहद नुकीली जमीन पर चल रहे हैं। अपने पेशे की आन बचाए हुए और देश की आजादी की शान के सिपाही बने हुए। हुकूमत हर उस बोलने वाले को अपना दुश्मन मान बैठी है और उसकी जुबां बंद करना चाहती है तभी तो सरकार की ओर से पेश वकील ने सर्वोच्च न्यायालय में भी अपील की कि मोहम्मद जुबैर के ट्वीट भड़काऊ होते हैं। उन्हें ऐसा करने से रोका जाए। जज का जवाब था कि ऐसा करना वैसा ही होगा जैसे किसी वकील को बहस से रोका जाए। किसी पत्रकार को लिखने से कैसे रोका जा सकता है।श् यह जवाब हर कहीं दिलचस्पी का कारण बना हुआ है। कुछ बहस में यह भी सवाल करते हुए नजर आते हैं कि सामने मोहम्मद जुबैर की बजाय अविनाश दास होते तो उनकी राह यूं मुश्किल नहीं होती। मुसलमान की जगह कोई हिंदू होता तो जमानत आसान होती। ऐसा नहीं है क्योंकि यही सब मुश्किलें अब अविनाश दास को आ रही हैं । एक ही चाल चलती हैं जो भी उसका विरोध करे उसे रोक दो। मराठी अभिनेत्री केतकी चितले को महाराष्ट्र सरकार ने महज एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एक महीने तक जेल में रखा। उन्होंने शरद पवार से जोड़कर एक मराठी कविता पोस्ट की थी। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। अविनाश दास को सोमवार को मुंबई से गिरफ्तार किया गया और अहमदाबाद ले जाया गया। अनारकली ऑफआरा से प्रसिद्ध हुए दास ने अमित शाह की फोटो उस अधिकारी के साथ पोस्ट की थी जिस पर अवैध खनन में बड़े घपलों के आरोप हैं। झारखंड की इस आईएएस पूजा सिंघल को ईडी गिरफ्तार कर चुकी है। दास के मामले में भी एफआईआर का दुष्चक्र बनाया गया है। पुराना मामला जो खंगाला गया है उसमें कोरोना के लेटे हुए मरीजों की फोटो पर लिखा गया है गुजरात में कहीं किसी जगह। एक और एफआईआर अविनाश दास की उस सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफहै जिसमें उन पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला को तिरंगा पहने दिखाया है जो कि सही तिरंगा नहीं है। साफहै कि सरकार को अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं। वह केवल उनके बचाव में सामने आती है जो उसके साथ हैं। नूपुर शर्मा की एक बहस के बाद जब देश का माहौल बिगड़ने लगा तब लोगों की अपेक्षा थी कि नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाएगा। ऐसा नहीं हुआ। उल्टे उन्हें संरक्षण मिला, बावजूद इसके कि पार्टी खुद उन्हें पद से हटा चुकी थी और उन्हें फ्रिंज एलिमेंट यानी असामाजिक तत्व कह चुकी थी। नूपुर खुद अदालत गई थीं ताकि उन्हें देश भर में अलग-अलग दर्ज मुकदमों का सामना न करना पड़े। वे सब मुकदमे एक जगह यानी दिल्ली में चाहती थीं। जवाब में उन्हें जस्टिस सूर्यकांत की तीखी टिप्पणियां मिलीं। इसमें उन्हें देश का माहौल बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार माना गया था। अब जुबैर को जमानत देने वाली इस तीन सदस्यीय खंडपीठ में जस्टिस सूर्यकांत भी शामिल थे। उन्होंने ही यह फैसला भी दिया कि उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में दर्ज छह मुकदमे अब दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को ट्रांसफर किए जाते हैं। यहां तक कि उप्र सरकार की गठित एसआईटी भी भंग कर दी गई। इससे पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट जुबैर के मामले में यह भी कह चुका था कि एक मामले की सुनवाई पूरी होने से पहले ही तुरंत दूसरा मामला दर्ज कर लिया जाता है। मालूम होता है कि यह मुकदमों का दुष्चक्र है जिसके तहत अभिव्यक्ति की आजादी पूरी तरह बाधित होती हुई मालूम होती है।

हम जिस माहौल में आज पार्सल कर दिए गए हैं वह भी गौर करने लायक है। लुलू मॉल में नमाज पढ़ने वाले चार गिरफ्तार या शातिर है रिजवान सवाल पूछो तो आयतें पढ़ने लगता है, ये दो हिंदी अखबार की इन दिनों प्रकाशित सुर्खियां हैं। नमाज और आयतें कब नफरत का पर्याय हो गई हमें पता भी नहीं चला। तुझे याद कर लिया आयत

की तरह, फिल्म बाजीराव मस्तानी का लोकप्रिय गीत है, ठीक वैसे ही जैसे गुलजार के फिल्म दिल से के लिए लिखा गीत छैंया छैंया भी। गीत में एक पंक्ति है ताबीज बना के पहनूं उसे आयत की तरह मिल जाए कहीं... इतने नाजुक और मधुर खयालों से जुड़े ये अल्फाज अब नफरत का पर्याय हैं। बहरहाल न्याय दूर तक देखता है। वे इरादे भी जो नफरत को बढ़ाते हैं। नफरत का जहर कब दिमाग में चढ़ कर लोगों की जान ले लेता है, यह सरकार को देखना होगा। नफरत चयनित नहीं होती वह सिर्फ वार करती है। विभाजन का यह दुष्चक्र यहीं थम जाए तो आगे बढ़ा जा सकता है बेरोजगारी और महंगाई का मुकाबला किया जा सकता है।

आदिवासी चेतना के प्रति सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा संताल समुदाय की आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना एक अभूतपूर्व निर्णय है, जो भारतीय राजनीति में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा. वर्ष 1857 के सैनिक विद्रोह से पूर्व 1855 में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध स्वत:स्फूर्त संताल विद्रोह हुआ था, जिसका नेतृत्व सिदो-कान्हू, चांद-भैरो तथा फूलो-झानो ने किया था. ये नेतृत्वकर्त्ता जनजातीय समूह के संताल समुदाय का प्रतिनिधित्व करते थे. द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाकर एनडीए ने अपनी प्रतिबद्धता को नया आयाम दिया है और यह चुनाव में उन्हें मिले अभूतपूर्व समर्थन में भी दिखा है. यह प्रतिनिधित्व सही मायने में झारखंड, बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में बसे संताल समुदाय की राजनीतिक चेतना के प्रति सम्मान के रूप में भी देखा जा सकता है. दलित, वंचित एवं शोषित समुदाय को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन करने की इस पहल की जितनी भी सराहना की जाए, कम है. इस उम्मीदवारी से यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि आदिवासी समाज का रातो-रात कायाकल्प हो जायेगा, लेकिन इतना तो तय है कि भारत दुनिया के सामने यह कह सकेगा कि उसने सत्ता की भागीदारी में उस वर्ग को भी हिस्सेदारी दी है, जिसे श्वेत और अभिजात्य माने जाने वाले समाज व राष्ट्र हीन भावना से देखते रहे हैं. अमेरिका अपने को दुनिया का सबसे प्रगतिशील राष्ट्र तथा लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक बताता है, लेकिन आये दिन जब वहां की श्वेत अभिजात्य वर्चस्व वाली पुलिस किसी अश्वेत पर नाहक व गैरकानूनी तरीके से गोलियां चलाती है, तो मानवता तार-तार होती दिखती है. कैथोलिक चर्च का दुनियाभर में बोलबाला है, लेकिन आज भी उसके मुख्यालय वेटिकन पर श्वेतों का कब्जा है. इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद ने साफ शब्दों में कहा कि कुरैशियों और अफ्रीकियों में कोई भेद नहीं है, लेकिन वहां आज भी कुरैशियों की बादशाहत कायम है. भारत में भी शताब्दियों से आदिवासी समाज वंचित रहा है. सल्तनत काल से अंग्रेजी शासन तक इस समाज को कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ा. स्वतंत्र भारत में भी इसका सांस्कृतिक और साहित्यिक शोषण तक किया गया, लेकिन भारतीय पुनर्जागरण के तीसरे चरण में अब इनके महत्व को समझा जाने लगा है.

भारत में लगभग 700 से अधिक छोटे-बड़े आदिवासी समूह हैं. माना जाता है कि आदिवासी ही भारत के मूल निवासी हैं. हालांकि इस पर विद्वान एकमत नहीं है, लेकिन यह तो है ही कि आदिवासियों की जो धार्मिक मान्यता है, वही भारत की मूल अवधारणा है. आदिवासी समुदाय के लोग ज्यादातर पहाड़ी इलाकों या जंगलों में वास करते हैं. ब्रिटिश भारत में 1871 से लेकर 1941 तक हुई जनगणनाओं में आदिवासियों की अन्य धर्मों में गिनती की गयी थी. आजाद भारत में वर्ष 1951 की जनगणना के बाद से आदिवासियों को अलग धर्म में गिनना बंद कर दिया गया. वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार आदिवासियों की संख्या 1,91,11,498 थी, जो 2001 में 8,43,26,240 हो गयी. तब आदिवासी समाज देश की जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत था. आदिवासियों की संस्कृति की दृष्टि से उनके चार प्रमुख वर्ग हैं- परसंस्कृति प्रभावहीन समूह, परसंस्कृतियों द्वारा अल्प प्रभावित समूह, परसंस्कृति द्वारा प्रभावित, किंतु स्वतंत्र सांस्कृतिक अस्तित्व वाले समूह तथा वे आदिवासी समूह, जिन्होंने परसंस्कृतियों का स्वीकरण इस मात्रा में कर लिया है कि अब वे केवल नाम मात्र के आदिवासी रह गये हैं।

विचाराधीन कैदी और लोकतंत्र

जगदीश रत्नानी

भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना और सर्वोच्च न्यायालय ने जेलों में पड़े विचाराधीन कैदियों की ओर देश का ध्यान खींचा है तथा एक ऐसे मुद्दे को सामने रखा है, जिससे हमारा लोकतंत्र कमजोर होता है, आम नागरिकों की आजादी छिनती है और अधिकतर जांचों में जमानत देने की जगह जेल भेजना कायदा बनता जा रहा है. प्रधान न्यायाधीश ने एक संबोधन में रेखांकित किया कि हमारे देश में जेलों में बंद 6.10 लाख नागरिकों में लगभग 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं. उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में प्रक्रिया ही दंड बन गयी है. मनमाने ढंग से गिरफ्तारियों से लेकर जमानत मिलने में मुश्किलों तक की इस प्रक्रिया में लंबे समय तक जेलों में बंद लोगों के इस मामले पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि कैदी ब्लैक बॉक्स की तरह हैं. वे ऐसे नागरिक हैं, जिन्हें अक्सर अनदेखा और अनसुना कर दिया जाता है. प्रधान न्यायाधीश ने ऐसे मुद्दे को उठाया है, जिस पर शायद ही कभी चर्चा होती है. सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई हाल में आयी अस्थायी गिरावट नहीं है, बल्कि भारतीय व्यवस्था की स्थायी विशेषता बन चुकी है. सजा दिलाने के लिए लंबी जांच की बजाय तुरंत हिरासत में लेने के रवैये से भी न्यायिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है क्योंकि जमानत की अर्जियों की तादाद बहुत अधिक है. चूंकि हिरासत में लेना आम बात है, तो अग्रिम जमानत के लिए भी बहुत सारे लोग अदालत पहुंचते हैं. इनसे बड़ी अदालतों में बोझ बढ़ता जाता है. इन सबसे ऐसी व्यवस्थागत समस्या पैदा हो गयी है, जिसका समाधान जजों की संख्या बढ़ाकर नहीं किया जा सकता है. हम जानते हैं कि हमारे यहां अभियुक्तों को सजा देने की दर बहुत ही कम है. ऐसे में ठोस जांच दरकिनार कर दी जाती है और मुकदमे से पहले लंबे समय तक जेल में रखना ही सजा बना दिया जाता है. इससे न्याय व्यवस्था का आधारभूत सिद्धांत, जिसमें दोष सिद्ध होने तक अभियुक्त को निर्दोष माना जाता है, ही खारिज हो जाता है. इस माह की 11 तारीख को अपने 85 पन्ने के आदेश में न्यायाधीश एसके कौल और एमएम सुंदरेश ने समस्या के व्यवस्थागत प्रकृति की ओर संकेत किया है- श्अदालतें सोचती हैं कि चूंकि सजा होने की संभावना बहुत ही कम है, तो जमानत की अर्जियों पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए. हम जमानत पर विचार करते हुए बहुत सी बातों को नहीं जोड़ सकते, क्योंकि उसका दंड से लेना-देना नहीं है अगर कोई लंबे समय तक जेल में रहने के बाद बरी हो जाता है, तो वह बेहद गंभीर अन्याय हैश् कामकाज का कोई लेना-देना राजनीति या नेताओं या एजेंडे से नहीं होता. व्यवस्था का हर जगह होना उसका संत्रास है. वह हवा व पानी में घुल-मिल जाता है तथा बहुत से लोगों को जेल में डालकर उनमें से कुछ सबसे कमजोर नागरिकों को भूल जाता है. इससे कैसे व्यवस्था की रीढ़ टूटती है ।

जानकीपुरम पुलिस और साइबर क्राइम सेल ने गुजरात से गिरफ्तार किए 2 ठग

टिम्बर कारोबारियों से जालसाज करते थे ठगी जानकी पुरम में दर्ज हुआ था मुकदमा

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ कमिश्नरेट की जानकीपुरम पुलिस और साइबर क्राइम सेल की टीम ने दो ऐसे शातिर जालसाजो को कच्छ गुजरात से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है जो टिंबर कारोबारियों से लकड़ी के कारोबारी बन कर ऑनलाइन ठगी करते थे। जनवरी 2022 में ठगी का शिकार हुए एक टिंबर व्यवसाई के द्वारा जानकीपुरम थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच साइबर क्राइम सेल ने शुरू की थी। ऑनलाइन लाइन ठगी के इस कारोबार की जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे और आज जानकीपुरम पोलिसर और साइबर क्राइम सेल के इंस्पेक्टर शशिकांत चौहान की टीम ने कच्छ गुजरात के रहने वाले संजय तिवारी और कच्छ गुजरात के ही रहने वाले सागर ठाकुर को गिरफ्तार कर उनके पास से साढ़े 33 हजार रुपए और 5 मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार ऑनलाइन ठगी का कारोबार करने वाले ठग देश के कई राज्यों में टिंबर कारोबारियों से मोबाइल के जरिए संपर्क करते थे और महंगी लकड़ी को सस्ते दामों में दिलाने के नाम पर टिंबर कारोबारियों को फसाते थे । भारत के कई राज्यों के टिंबर कारोबारियों को अपने जाल में फंसाने वाले ठग टिंबर कारोबारियों के व्हाट्सएप नंबर हासिल कर उनसे संपर्क करते थे और व्हाट्सएप के जरिए ही महंगी लकड़ी के फोटो भेज कर उस लकड़ी का कम दामों में सौदा करते थे। जनवरी 2022 जानकीपुरम थाने में मुकदमा दर्ज कराने वाले पीड़ित को भी जालसाजो के द्वारा इसी तरह से अपने जाल में फसाया गया था । उन्हें ठगों ने व्हाट्सएप के जरिए महंगी लकड़ी के फोटो भेज कर उसी लकड़ी को सस्ते दामों में बेचने की बात कह कर 3 लाख 25 हजार रुपए अपने आईसीआईसीआई बैंक के अकाउंट में आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कराए थे। पुलिस के अनुसार टिंबर कारोबारी के द्वारा ठगों पर विश्वास कर कर उन्हें पैसा भेजा गया लेकिन जब लंबे समय तक लकड़ी नहीं आई तो उन्होंने ठग से फोन पर संपर्क किया जिसके बाद ठगों के द्वारा उन्हें लकड़ी से ट्रक की फोटो भेज कर बताया गया कि आपकी की लकड़ी को भेजा गया है। काफी दिनों के बाद भी जब कारोबारी को लकड़ी नहीं मिली और ठगों ने अपने मोबाइल नंबर बंद कर लिए तब उन्होंने जानकीपुरम थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। मुकदमे की जांच साइबर क्राइम सेल ने संभाली और आज गुजरात के कच्छ से टिंबर कारोबारियों को ठगने वाले दो ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में जानकारी के लिए साइबर क्राइम सेल के एसीपी दिलीप कुमार सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई। बताया जा रहा है कि ठगी के इस कारोबार में और लोग भी शामिल हो सकते हैं।

जिसका कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं: आचार्य दयासागर

लखनऊ (यूएनएस)। चातुर्मास कर रहे दिगंबर जैन संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 दयासागर जी महाराज ने जैन मंदिर इन्दिरा नगर मे आज अपने प्रवचनों मे बताया की जिसका कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं अर्थात प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन को किसी न किसी को अपना गुरु अवश्य बनाना चाहिए। क्योकि गुरु ही ऐसे व्यक्तित्व हैं जो निस्वार्थ भाव से अपने शिष्य को सत्य की राह पर चलना सिखाते हैं एवं जीवन मे सामने आ रही परेशानियों से बचने का मार्ग भी दिखते हैं। कहा गया है गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाव, बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताए। आचार्य श्री ने कहा कि प्रभु की शरण मे जाने का मार्ग भी गुरु के बिना संभव नहीं हैं। गुरुदेव बताते हैं की गुरु की कृपा व उनके सानिध्य पाद मे किसी प्रकार का भी जाप अनुष्ठान आदि करने से ही उत्तम फल की प्राप्ति संभव है।

डेढ़ दर्जन आईपीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने आज शुक्रवार डेढ़ दर्जन यानि 18 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। इन सभी अधिकारियों को एसपी से डीआईजी के पद पर प्रमोट करने के साथ ही उनका तबादला भी कर दिया गया है। एसपी जीआरपी के पद पर बीते चार साल से तैनात सौमित्र यादव को डीआईजी यूपी 112 में तैनात किया गया है। स्वामी प्रसाद को डीआईजी स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम लखनऊ और सभाराज को डीआईजी एसीआरबी लखनऊ के पद पर भेजा गया तो आईपीएस विनोद कुमार मिश्रा को भ्रष्टाचार निवारण संगठन में तैनात किया गया है। रमेश को डीआईजी अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ में तैनात किया गया है। बाबूराम को सीबीसीआईडी लखनऊ में तैनात किया गया है। दयानंद मिश्र को पूह से लखनऊ की शाखा में ही तैनात रखा गया तो योगेश सिंह को महिला और बाल सुरक्षा संगठन में तैनाती मिली है।गीता सिंह को अभियोजन मुख्यालय लखनऊ और एन. कोलांची को साइबर क्राइम सेल लखनऊ में तैनात किया गया है। सर्वेश कुमार राणा को खाद और रसद प्रशासन लखनऊ में तैनात किया गया है। जुगल किशोर को दूरसंचार विभाग लखनऊ में तैनात किया गया है।बालेंद्र भूषण सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक लॉजिस्टिक बनाया गया और अरविंद भूषण पांडे को तकनीकी सेवाएं लखनऊ भेजे गए है।राजीव मल्होत्रा को पुलिस महानिरीक्षक पीटीएस उन्नाव में तैनात किया गया है।

महिलाओं के विरूद्ध अपराधों में 328 अभियुक्तों को आजीवन कारावास

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सघन व प्रभावी पैरवी के माध्यम से प्रदेश भर में अभियुक्तों को कठोरतम दण्ड दिलाये जाने की दिशा में अभियोजन विभाग द्वारा उल्लेखनीय प्रयास किये गये है। इस वर्ष 25 मार्च से 16 जुलाई तक लगभग साढ़े तीन माह से अधिक की अवधि में पॉक्सो अधिनियम, महिलाओं के विरूद्ध लैंगिक, बलात्कार एवं अन्य गंभीर अपराधों के साथ-साथ अन्य अपराधों में प्रभावी पैरवी के माध्यम से 328 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 594 अभियुक्तों को 10 वर्ष से अधिक की सजा तथा 1834 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम की सजा दिलाने में सफलता प्राप्त की गयी है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि माफिया अपराधियों के मामलों में प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप जनपद बिजनौर में अभियुक्त मुनीर को एक वाद में दस वर्ष के कठोर कारावास व एक लाख रूपये के अर्थदण्ड तथा एक अन्य वाद में मृत्यु दण्ड व एक लाख रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया है। इसी प्रकार जनपद आजमगढ में अभियुक्त ध्रुव सिंह उर्फकुण्टू सिंह को एक वाद में दस वर्ष के सश्रम कारावास तथा 50 हजार रूपये के अर्थदण्ड से एवं एक अन्य वाद में आजीवन कारावास व 50 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया है। श्री अवस्थी ने बताया कि उक्त अवधि में पॉक्सो अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी पैरवी हेतु विशेष प्रयास किये गये जिसके सार्थक नतीजे सामने आये हैं। पॉक्सो अधिनियम के मामलों में लगातार व संघन पैरवी के फलस्वरूप एक माह की अवधि के भीतर 14 प्रकरणों में अभियुक्तों को सजा दिलायी गयी है। इसके तहत जनपद अमरोहा के 3 वादों, जनपद अम्बेडकर नगर के 4 वादों, आजमगढ़ व कानपुर नगर के 2-2 वादों तथा बदायूँ, बरेली, एवं श्रावस्ती जनपदों में 1-1 वाद में अभियुक्तों को सजा दिलाने में सफलता मिली है। अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन आशुतोष पाण्डे ने बताया है कि अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी व पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 डी0एस0 चौहान द्वारा पॉक्सो एक्ट के मामलों में गवाहों, साक्षियों, प्रदर्शों आदि को न्यायालय द्वारा नियत तिथि पर न्यायालय पहुँचाने के लिये अलग अलग विस्तृत स्पष्ट निर्देश जनपदीय पुलिस प्रभारियों को समय समय पर निर्गत किये गये, जिससे अधिक से अधिक गवाहों का परीक्षण संभव हो सका। उन्होंने बताया कि पॉक्सो न्यायालयों में इस वर्ष विगत 25 मार्च से 16 जुलाई तक की अवधि में प्रदेश में 892 अभियुक्तों को सजा करायी गयी, जिनमें से 145 को आजीवन कारावास, 291 को 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा तथा 456 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम की सजा करायी गयी है। पॉक्सो अधिनियम में सबसे अधिक 16 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा वाराणसी जनपद में करायी गयी है। दूसरे स्थान पर जनपद लखनऊ रहा जहॉ 08 अभियुक्तों को सजा करायी गयी। तीसरे स्थान पर जनपद चन्दौली, रायबरेली व शामली रहे जहॉ 06-06 अभियुक्तों को सजा करायी गयी है। दस वर्ष या उससे अधिक सजा कराने में भी वाराणसी को सर्वाधिक सफलता मिली है जहॉ 23 अभियुक्तों को सजा करायी गयी है। इसी प्रकार 13 अभियुक्तों को सजा कराकर बरेली दूसरे स्थान पर तथा 12 अभियुक्तों को सजा करा कर आगरा तीसरे स्थान पर रहा है। 10 वर्ष से कम सजा कराने में भी जनपद वाराणसी अग्रणी रहा है जहॉ सर्वाधिक 34 अभियुक्तों को सजा दिलायी गयी है। 25 अभियुक्तों को सजा दिलाकर जनपद बरेली दूसरे स्थान पर तथा 16 अभियुक्तों को सजा दिलाकर गाजीपुर तीसरे स्थान पर रहा है। आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि महिलाओं के विरूद्ध लैंगिग, बलात्कार व अन्य गम्भीर अपराधों में 1864 अभियुक्तों को सजा दिलायी गयी है, इसमें 183 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 303 अभियुक्तों को 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा एवं 1378 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम की सजा करायी गयी। इस अभियान में सबसे अधिक 17 अभियुक्तों को आजीवन कारावास कराने वाले जनपद जौनपुर है, दूसरे स्थान पर संतकबीरनगर में 12 तथा तीसरे स्थान पर जनपद अलीगढ व उन्नाव में 11-11 अभियुक्तों को सजा दिलायी गयी है। दस वर्ष या उससे अधिक सजा कराने में जनपद फतेहपुर में सर्वाधिक 19 अभियुक्तों को सजा करायी गयी है। इसके तहत दूसरे स्थान पर वाराणसी तथा सीतापुर रहा जहॉ 17-17 अभियुक्तों को तथा तीसरे स्थान पर जनपद बदायूँ रहा जहॉ 13-13 अभियुक्तों को सजा दिलाई गयी। दस वर्ष से कम सजा कराने वाले जनपदों में जनपद गाजीपुर सर्वोच्च स्थान पर रहा है जहॉ सर्वाधिक 73 अभियुक्तों को सजा करायी गयी।68 अभियुक्तों को सजा दिलाकर जनपद सीतापुर दूसरे स्थान पर तथा 51 अभियुक्तों को सजा दिलाकर जनपद इटावा तीसरे स्थान पर रहा है। श्री पाण्डेय ने बताया कि आयुध अधिनियम के कुल 2672 वादों का निस्तारण कराया गया, जिसमें सर्वाधिक 122 वादों का निस्तारण जनपद मुरादाबाद द्वारा कराया गया है। उल्लेखनीय है कि अभियान के पूर्व आयुध अधिनियम में सजा कराने का प्रतिशत 88 था, जो अब बढ़कर 93 प्रतिशत हो चुका है।अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन ने बताया कि इस वर्ष 01 जनवरी से 31 मार्च तक महिला सम्बन्धी अपराधों के लिए 05 अभियुक्तों को मृत्यु दण्ड, 192 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 265 अभियुक्तों को दस वर्ष से अधिक का कारावास तथा 843 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम के कारावास से दण्डित कराया गया है। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत 6211 अभियुक्तों को सजा दिलाई गयी है, जिनमें 36 अभियुक्तों को मृत्यु दण्ड, 1296 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 1203 अभियुक्तों को 10 वर्ष या 10 वर्ष से अधिक का कारावास तथा 3676 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम के कारावास से दण्डित कराया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि मिशन शक्ति फेज-1 एवं फेज-2 की अवधि में (17 अक्टूबर 2020 से दिनांक 31 मार्च 2021 तक) कुल 12 अभियुक्तों को मृत्यु दण्ड, 506 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 456 अभियुक्तों को दस वर्ष या दस वर्ष से अधिक का कारावास तथा 1285 अभियुक्तों को दस वर्ष से कम के कारावास से दण्डित कराया गया है। मिशन शक्ति फेस-3 (21 अगस्त 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक) में कुल 19 अभियुक्तों को मृत्यु दण्ड, 598 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 482 अभियुक्तों को दस वर्ष या दस वर्ष से अधिक का कारावास तथा 1548 अभियुक्तों को दस वर्ष से कम के कारावास से दण्डित कराया गया है।

जीबीसी 1 और 2 से यूपी में हुआ एक लाख करोड़ का पूंजीनिवेश, एक लाख से अधिक को मिला रोजगार

लखनऊ (यूएनएस)। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े सूबे को विकास की राह पर तेजी से अग्रसर करने के लिए देश के उद्यमियों को यूपी में पूंजीनिवेश करने के लिए आकर्षित करने के उद्देश्य से योगी आदित्यनाथ की अगुआई वाली भाजपा सरकार के ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनियों के आयोजनों के सकारात्मक परिणाम अब जोरदार तरीके से धरातल पर साफ-साफदिखाई देने लगे हैं. राजधानी लखनऊ निवासी समाजसेविका और आरटीआई एक्टिविस्ट उर्वशी शर्मा द्वारा बीते 28 जून को दी गई एक आरटीआई पर इन्वेस्ट यूपी के जन सूचना अधिकारी हरगोविंद सिंह ने बीती 21 जुलाई को जो सूचना सार्वजनिक की है उससे यह खुलासा हुआ है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी 1 और 2 के आयोजनों के परिणाम स्वरुप यूपी में लगभग 1 लाख करोड़ का पूंजीनिवेश हुआ है जिसमें सूबे के 1 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। उर्वशी ने अपनी आरटीआई में 19 बिन्दुओं पर सूचना मांगी थी जिसका 10 पेज का विस्तृत उत्तर हरगोविंद ने उर्वशी को दिया है। बताते चलें कि योगी सरकार ने प्रथम ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 29 जुलाई 2018 को, दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 28 जुलाई 2019 को और तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हाल ही में 03 जून 2022 को आयोजित की थी। हरगोविंद ने उर्वशी को बताया है कि पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए 81 प्रोजेक्ट्स शोर्टलिस्ट किये गए जिनमें से 49 प्रोजेक्ट्स (60.49:) शुरू हो चुके है, 16 प्रोजेक्ट्स (19.75:) अभी कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं, 4 प्रोजेक्ट्स (4.93:) ड्राप कर दिए गए हैं और 12 प्रोजेक्ट्स (14.81:) सुषुप्तावस्था में हैं. प्रथम ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के 61500 करोड़ रुपयों की धनराशि के प्रस्तावित इन्वेस्टमेंट के सापेक्ष अब तक 51025.6 करोड़ रुपयों का (82.96:) वास्तविक पूँजीनिवेश होने के साथ-साथ पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स में 87274 नए रोजगारों का सृजन होने की बात भी हरगोविंद ने उर्वशी को बताई है। दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के सम्बन्ध में हरगोविंद ने उर्वशी को सूचना दी है कि इस ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए 290 प्रोजेक्ट्स शोर्टलिस्ट किये गए जिनमें से 65 प्रोजेक्ट्स (16.89:) शुरू हो चुके है, 112 प्रोजेक्ट्स (38.62:) अभी कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं, 7 प्रोजेक्ट्स (2.41:) ड्राप कर दिए गए हैं और 106 प्रोजेक्ट्स (36.55:) सुषुप्तावस्था में हैं. दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के 67000 करोड़ रुपयों की धनराशि के प्रस्तावित इन्वेस्टमेंट के सापेक्ष अब तक 48676.5 करोड़ रुपयों का (72.65:) वास्तविक पूँजीनिवेश होने के साथ-साथ पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स में 17583 नए रोजगारों का सृजन होने की बात भी हरगोविंद के जवाब से सामने आई है। उर्वशी द्वारा तीनों ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनियों के आयोजनों पर हुए खर्चों के सम्बन्ध में मांगी गई सूचना को सूचना कानून की धारा 8(1)(क) के तहत वाणिज्यिक विशवास,व्यापार गोपनीयता या बौद्धिक संपदा से सम्बंधित बताते हुए देने से मना कर दिया है. उर्वशी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक सूबे में उद्यमों में हुए सरकारी पूंजीनिवेश,प्राइवेट पूँजीनिवेश की धनराशि के साथ-साथ रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में हुए सरकारी पूंजीनिवेश,प्राइवेट पूँजीनिवेश की धनराशि की सूचना भी मांगी थी जिसके सम्बन्ध में ऐसा कोई भी डेटा इन्वेस्ट यूपी में नहीं होने की बात भी हरगोविंद ने उर्वशी को लिखकर दी है। उर्वशी कहती हैं कि हरगोविंद के इस उत्तर से यह बात सामने आ गई है कि पहली और दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनियों में राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए सम्मिलित रूप से 371 प्रोजेक्ट्स शोर्टलिस्ट किये गए जिनमें से 114 प्रोजेक्ट्स (30.72:) शुरू हो चुके है, 128 प्रोजेक्ट्स (34.50:) अभी कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं, 11 प्रोजेक्ट्स (2.96:) ड्राप कर दिए गए हैं और 118 प्रोजेक्ट्स (31.80:) सुषुप्तावस्था में हैं. हरगोविंद ने इन सभी प्रकार के प्रोजेक्ट्स के नामों और इनके पूंजीनिवेश की धनराशि की सूची भी उर्वशी को दी है. पहली और दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनियों में राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए सम्मिलित रूप से 128500 करोड़ रुपयों की धनराशि के प्रस्तावित इन्वेस्टमेंट के सापेक्ष अब तक 99702.1 करोड़ रुपयों का (77.58:) वास्तविक पूँजीनिवेश होने के साथ-साथ पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स में 104857 नए रोजगारों का सृजन होने की बात सामने आने पर उर्वशी ने सूबे को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए योगी सरकार के सभी अंगों को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया है और सूबे में पूंजीनिवेश और रोजगार सृजन के लिए और अधिक प्रभावी रूप से काम करने की अपेक्षा की है।

कोर्ट में खुली पोल,पेश नही कर पाये नक्शा

लखनऊ (यूएनएस)। प्रयागराज शहर में बिना नक्शा पास हुए अवैध रूप से बने मकानों को ढहा रहा प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानि पीडीए के सिविल लाइंस स्थित अपने ही भवन का नक्शा गायब है। खुलासा इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस राजेश बिंदल व जस्टिस जे जे मुनीर की खंडपीठ के समक्ष जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान हुआ। कोर्ट ने पीडीए के वकील से इंदिरा भवन स्थित विकास प्राधिकरण के भवन का नक्शा पेश करने को कहा था जिसके जवाब में पीडीए के वकील ने बताया कि नक्शा ढूंढा जा रहा है, पर अभी मिला नहीं है। वकील ने इसके लिए कोर्ट से कुछ समय की मांग की। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पीडीए के चेयरमैन को आगामी 02 अगस्त को तलब कर लिया है। मोहम्मद इरशाद की ओर से दाखिल जनहित याचिका में पीडीए इंदिरा भवन कार्यालय के नीचे दुकानों के अतिक्रमण करने, पोडियम, बरामदों में अवैध दुकानों को हटाने को लेकर याचिका दाखिल की थी।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की आगरा एवं फिरोजाबाद जिला इकाइयों का गठन

पत्रकारों का उत्पीड़न उनके बिखराव के कारण होता है: रमेश पांडेय

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी एवं प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पांडेय ने यूनियन को सक्रिय करने के लिए मथुरा, आगरा एवं फिरोजाबाद आदि जिलों का भ्रमण कर संगठन की समीक्षा की तथा नई नियुक्तियों को अंजाम तक पहुंचाया। उक्त जानकारी देते हुए यूनियन के प्रवक्ता शशिकांत पांडेय ने बताया कि मथुरा में जिला इकाई की बैठक के बाद आगरा पहुंचे अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी एवं प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पांडेय ने युवा पत्रकार अमित उपाध्याय को आगरा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव नरेंद्र भारद्वाज, मथुरा के जिला उपाध्यक्ष गोपाल कौशिक, सचिव योगेश भारद्वाज के अलावा आगरा जिले के आशीष रावत, बांके शर्मा, कुलदीप शर्मा, शिवम लवानिया, मनोज पुरी, ब्रह्मा दुबे आदि तमाम पत्रकार उपस्थित रहे। इसके बाद फिरोजाबाद में उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बैठक में फिरोजाबाद इकाई का गठन किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष के रूप में यू.के. दीक्षित वरुण, उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा, महामंत्री प्रशांत शर्मा, कोषाध्यक्ष आदित्य मिश्रा को मनोनीत किया गया। यूनियन के प्रदेश सचिव नरेंद्र भारद्वाज द्वारा संगठन के बारे में विस्तार से बताया गया, जबकि संगठन के प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पांडेय ने संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियो को बधाई देते हुए संगठन की स्थापना व संगठन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम सब को संगठित रहने की आवश्यकता है। पत्रकारों का उत्पीड़न हमारे बिखराव की वजह से हो रहा है। हम एक रहेंगे तो हमारी तरफ कोई आंख उठाकर नहीं देख सकता। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी ने कहा कि कोई संगठन बड़ा या छोटा नहीं होता और न ही कोई पत्रकार बड़ा या छोटा होता है। यदि पत्रकार अपनी लेखनी से अपना परिचय कराता है, तो संगठन अपनी सक्रियता से स्वतरू बड़ा समझा जाता है। कार्यक्रम में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष यू.के. दीक्षित श्वरुणश् ने प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदित्य मिश्रा, अतुल उपाध्याय, राज पलिया, सौरभ शर्मा, अश्वनी शर्मा, जयंत भारद्वाज, अमन शर्मा, अमन पचौरी, अर्जुन मिश्रा अभिषेक शर्मा आदि उपस्थित रहे। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी एवं प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पांडेय द्वारा मनोनीत सभी जिला इकाइयों को एल. के. तिवारी,

द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट देने के बाद राजभर की बढ़ाई गई सुरक्षा वाई कैटेगरी की सिक्योरिटी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को 'वाई श्रेणीश् की सुरक्षा प्रदान की है। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ओमप्रकाश राजभर के पुत्र अरुण राजभर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश शासन के गृह विभाग के संयुक्त सचिव विनय कुमार सिंह की ओर से अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि गाजीपुर जिले के जहूराबाद क्षेत्र के विधायक और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को राज्य स्तरीय समिति की आगामी बैठक में होने वाले निर्णय की प्रत्याशा में 'वाई श्रेणी की सुरक्षा अंतरिम रूप से प्रदान कराये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने इस मामले में एडीजी से औपचारिकता पूरी करने की अपेक्षा की है। राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन में हाल के राज्य विधानसभा चुनाव में राजभर की पार्टी ने छह सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन चुनाव बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव से राजभर की दूरी बढ़ती गई। राष्ट्रपति के चुनाव में राजभर ने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बजाय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया। 2017 के विधानसभा चुनाव में राजभर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गठित पहली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली थी। बाद में राजभर ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया था। 'वाई श्रेणीश् सुरक्षा में 11 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं जिसमें दो पीएसओ (निजी सुरक्षा गार्ड) भी होते हैं। शासन द्वारा व्यक्ति की सुरक्षा का आकलन करने के बाद उन्हें उसी आधार पर सुरक्षा मुहैया कराई जाती है।

मड़ियांव पुलिस ने आपराधिक प्रवत्ति के 2 को किया जिला बदर

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के द्वारा अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर चलाई जा रही जिला बदर की कार्यवाही की मुहिम लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट की मड़ियांव पुलिस ने आज न्यायालय के आदेश पर अपराधिक प्रवृत्ति के 2 लोगों के खिलाफ 6 महीनों के लिए जिला बदर की कार्रवाई की है । मड़ियाव पुलिस ने उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 के तहत न्यायालय के आदेश पर प्रेमनगर ककौली मड़ियांव के रहने वाले 22 वर्षीय सतीश शर्मा को 6 महीनों के लिए जिला बदर किया है ।

पूर्वमंत्री की बहू को मिली फोन पर धमकी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रह चुके दिवंगत राममूर्ति सिंह वर्मा की पुत्रवधू से अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके कथित रूप से रंगदारी मांगी और पैसे नहीं देने पर उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शाहजहांपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार ने मामले में दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि पूर्व मंत्री राममूर्ति सिंह वर्मा की पुत्रवधू अर्चना वर्मा के मोबाइल नंबर पर बुधवार को एक अनजान नंबर से फोन करके किसी ने 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। कुमार ने बताया कि फोन करने वाले व्यक्ति ने रंगदारी नहीं देने पर अर्चना के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अर्चना वर्मा की तहरीर पर बृहस्पतिवार रात थाना सदर बाजार में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384, 504, 507 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

सीबीएसई की 12वी की दोनों टॉपर यूपी की तान्या और युवाक्षी ने मारी बाजी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के लिए आज शुक्रवार का दिन खास रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई का 12वीं के रिजल्ट में यूपी की दो बेटियों ने सफलता का पताका लहरा दिया। बुलंदशहर की तान्या सिंह ने फ्रफेक्ट 500 अंक हासिल कर टॉप स्थान हासिल किया। वो बुलंदशहर के दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं। तान्या सिंह के अलावा अमेटी स्कूल नोएडा की छात्रा युवाक्षी विग ने भी फ्रफेक्ट 500 का स्कोर हासिल कर पहले स्थान पर जगह बनाई। सीबीएसई 12वीं परीक्षा में 500 अंक की परीक्षा होती है।इसमें तान्या सिंह ने 500 अंक का स्कोर किया है। परीक्षा परिणाम जारी होते ही विद्यार्थियों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। स्कूलों में जश्न का माहौल हो गया। डीपीएस बुलंदशहर में तो अलग लेवल पर ही खुशी मनाई गई। दूसरी तरफनोएडा सेक्टर 44 की अमेटी स्कूल की छात्रा युवाक्षी विग ने भी इतना अंक हासिल कर सफलता की ऊंचाइयों को छू लिया।युवाक्षी ने परीक्षा में इंग्लिश, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, साइकोलॉजी और पेंटिंग विषयों को चुना था। इन सभी विषयों में 100 में से 100 उन्होंने हासिल किए।उन्होंने अपनी सफलता पर खुशी जाहिर की और सफलता के पीछे माता-पिता और शिक्षकों के साथ-साथ कड़ी मेहनत को श्रेय दिया। सीबीएसई रिजल्ट में डीपीएस गाजियाबाद की छात्रा आशिमा ने 99 बार फ्रि साथिया 500 में से 497 अंक हासिल हुए। इससे पहले केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अपनी वेबसाइट बड़ेमतमेनसजे.दपब.पद और तमेनसजे.बड़ेम.दपब.पद पर कक्षा 12 के छात्रों के लिए टर्म 2 और अंतिम परिणाम घोषित किए हैं। छात्र अपने बोर्ड परीक्षा रोल नंबर, जन्म तिथि और स्कूल कोड का उपयोग करके इन वेबसाइटों से अपने स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

बाजार में लगातार छठे दिन मजबूती सेंसेक्स 56,000 अंक के पार

मुंबई-घरेलू शेयर बाजार में लगातार छठे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 390 अंक से अधिक चढ़कर 56,000 के पार पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली और वैश्विक बाजारों में सकरात्मक रुख के बीच बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 390.28 अंक यानी 0.70 प्रतिशत बढ़कर 56,072.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 504.1 अंक तक चढ़ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.20 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,719.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफ्सी, एचडीएफ्सी बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, कोटक महिंद्रा बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं, दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इन्फोसिस, एनटीपीसी, पावरग्रिड, विप्रो और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजार शुरूआती कारोबार में मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिका के शेयर बाजार बृहस्पतिवार को तेजी के साथ बंद हुए। जियोजीत फ्राइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''विदेशी निवेश में वृद्धि और ठोस तिमाही नतीजों से घरेलू मांग बढ़ रही है। बड़े पैमाने पर लिवाली के साथ मजबूत तिमाही नतीजों के कारण बैंक शेयरों में खरीदारी हुई...। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत घटकर 103.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक बृहस्पतिवार को शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने 1,799.32 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

नीरज चोपड़ा पहले प्रयास में फ्राइनल में, भाला फेंक में रोहित यादव और ट्रिपल जंप के एल्डोस पॉल ने भी रचा इतिहास

यूजीन-ओलंपिक चौंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में 88.39 मीटर का थ्रो फेंककर पहली बार विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप फ्राइनल के लिये क्वालीफ्राई कर लिया जबकि रोहित यादव ने भी फ्राइनल में पहुंचकर भारत के लिये नया इतिहास रच दिया। अन्य स्पर्धाओं में एल्डोस पॉल त्रिकूद फ्राइनल में जगह बनाने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए। उन्होंने 16.68 मीटर की कूद लगाई। वह ग्रुप ए क्वालीफ्रिकेशन में छठे स्थान पर और कुल 12वें स्थान पर रहे। फ्राइनल रविवार को सुबह 6.50 से होगा। वहीं पदक के प्रबल दावेदार 24 वर्षीय नीरज चोपड़ा ने ग्रुप ए क्वालीफ्रिक्केशन में शुरुआत की और 88.39 मीटर का थ्रो फेंका। यह उनके कैरियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। वह गतच्चौम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पीटर्स ने ग्रुप बी में 89.91 मीटर का थ्रो लगाया। रोहित यादव ने ग्रुप बी में 80.42 मीटर का थ्रो फेंका। वह ग्रुप बी में छठे स्थान पर और कुल 11वें स्थान पर रहे। उनका दूसरा थ्रो फ्राउल रहा और आखिरी प्रयास में 77.32 मीटर का थ्रो ही फेंक सके। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 82.54 मीटर है जो उन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चौंपियनशिप में पिछले महीने हासिल किया था। तब उन्होंने रजत पदक जीता था। पदक का मुकाबला रविवार को सुबह 7 बजकर पांच मिनट पर होगा। दोनों क्वालीफ्रिक्केशन ग्रुप से 83.50 मीटर की बाधा पार करने वाले या शीर्ष 12 खिलाड़ी फ्राइनल में पहुंचे हैं। त्रिकूद में भारत के प्रवीण चित्रावल और अब्दुल्ला अबुबाकर फ्राइनल में जगह नहीं बना सके जिनका प्रयास क्रमशरू 16.49 मीटर और 16.45 मीटर का था। चित्रावल ग्रुप ए में आठवें स्थान पर और कुल 17वें स्थान पर रहे जबकि अबुबाकर ग्रुप बी में 10वें और कुल 19वें स्थान पर रहे। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहकर फ्राइनल्स के लिए क्वालीफ्राई किया।

आयकर रिटर्न भरने की समय सीमा बढ़ाने की योजना नहीं: राजस्व सचिव

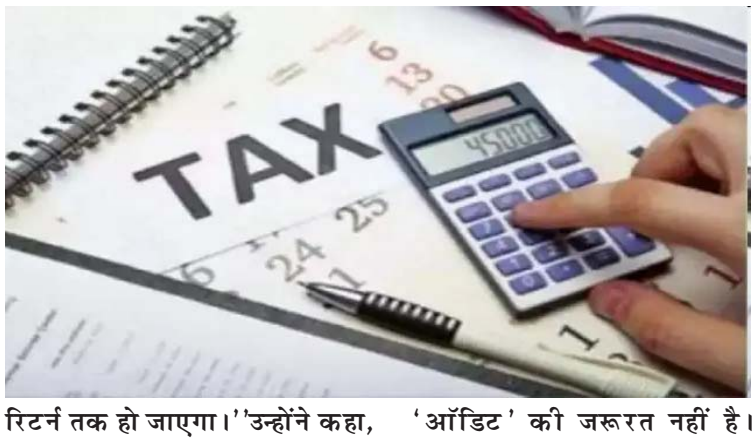

नयी दिल्ली-सरकार आयकर रिटर्न भरने की 31 जुलाई की समयसीमा आगे बढ़ाने पर विचार नहीं कर रही है। उसका मानना है कि ज्यादातर रिटर्न निर्धारित तिथि तक भर दिये जाएंगे। राजस्व सचिव तरूण बजाज ने शुक्रवार को कहा कि 20 जुलाई तक वित्त वर्ष 2021-22 के लिये 2.3 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न भरे जा चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के लिए करीब 5.89 करोड़ आयकर रिटर्न भरे गये थे। पिछले साल सरकार ने रिटर्न भरने की समयसीमा 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी। बजाज ने कहा, ''लोग सोचते हैं कि आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा हर बार बढ़ती है। इसीलिए वे शुरू में रिटर्न दाखिल करने में कुछ सुस्ती दिखाते हैं। लेकिन हमें रोजाना 15 लाख से 18 लाख के बीच रिटर्न मिल रहे हैं। यह बढ़कर दैनिक आधार पर 25 से 30 लाख रिटर्न तक हो जाएगा।''उन्होंने कहा, ''पिछली बार 9-10 प्रतिशत रिटर्न अंतिम दिन भरे गये थे। पिछले साल अंतिम दिन 50 लाख रिटर्न दाखिल किए गए थे। इस बार मैंने अंतिम तारीख पर एक करोड़ रिटर्न के लिये तैयार रहने को कहा है।''

आयकर नियमों के अनुसार उन व्यक्तिगत करदाताओं के लिये 2021-22 के आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा 31 जुलाई है जिनके पिछले वित्त वर्ष के खातों के 'ऑडिट' की जरूरत नहीं है। आयकर विभाग ने विभिन्न श्रेणी के करदाताओं के लिये आय के आधार पर सात प्रकार के आयकर फॉर्म निर्धारित किये हैं। कर विभाग का आयकर रिटर्न भरने का नया पोर्टल अंतिम समय में अत्यधिक रिटर्न जमा किए जाने के लिहाज से काफी मजबूत है। बजाज ने कहा, ''अब तक आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ाने का कोई विचार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि करदाताओं से मिली प्रतिक्रिया के अनुसार रिटर्न फॉर्म भरना अब काफी सरल है और रिफंड भी काफी जल्द प्राप्त हो रहे हैं। रिटर्न फ्राइल करने में आने वाली कठिनाइयों संबंधी शिकायत के बारे में बजाज ने कहा कि 2.3 करोड़ लोग बिना किसी शिकायत के पहले ही रिटर्न भर चुके हैं। राजस्व सचिव ने कहा, ''पूर्व में 50,000 लोग रोजाना आयकर रिटर्न भरते थे और अब यह संख्या बढ़कर 20 लाख हो गयी है। मुझे भरोसा है कि अगले कुछ दिनों में रिटर्न की संख्या बढ़ेगी...। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान लोगों को राहत देने के मकसद से पिछले दो वित्त वर्ष के दौरान आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ायी थी।

सामंथा रुथ प्रभु से तलाक के बाद बदली नागा चौतन्य की जिन्दगी

नागा चौतन्य और सामंथा रुथ प्रभु की शादी ने जितना तूल पकड़ा था, उतनी ही मशहूर हुई उनके अलगाव की दांस्ता। जब से दोनों का तलाक हुआ है लोग इसी की बारे मे बाते करते है। हर कोई जानना चाहता है कि इस कपल की राहे अलग क्यों हुई? आखिर ऐसा क्या हुआ जो ये गहरा प्यार कड़वाहट मे बदल गया और देखते ही देखते ये रिश्ता ताश के पत्तो की तरह बिखर गया। हालांकि ये बात और है कि ये दोनों अलग होने के बाद अब ज्यादा खुश है। वही, अब एक्टर ने एक बड़ा बयान दिया है और कहा है कि इस तलाक के बाद उनकी जिन्दगी पूरी तरह बदल गई है। अब वो एक नए इंसान बन गए है। लेकिन कैसे? ये खुद नागा ने बताया है। रिपोर्ट्स की माने तो पत्नी सामंथा से तलाक का दौर नागा चौतन्य के लिए सबसे ज्यादा तकलीफदेह रहा। नागा चौतन्य ने बताया कि वह तलाक के बाद काफी बदल गए हैं। उनका मानना है कि पहले वो इतना खुलकर बात नहीं कर पाते थे लेकिन अब करते हैं। नागा ने कहा कि वह अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के बहुत करीब महसूस करते हैं। साथ ही नागा चौतन्य खुद को एक नए व्यक्ति की तरह बदला हुआ देखकर काफी खुश हैं।वर्कफ्रंट की बात करे तो नागा चौतन्य बॉलीवुड डेब्यू करने वो है। वो बॉलीवुड फिल्म लाल सिंह चड्ढा में दिखाई देंगे, जिसमें आमिर खान मुख्य भूमिका में होंगे। श्लाल सिंह चड्ढाश् 11 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दीपिका ने अलमारी मे लगा दिया ताला, रणवीर सिंह की बिना कपड़ो के तस्वीरें देख यूजर्स ने किए कमेंट

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह अपने अतरंगी और रंग- बिरंगे कपड़ो के लिए जाने जाते है। बहोत ही कम मौके ऐसे आते है जब रणवीर नार्मल कपड़ो में दिखाई दे जाये। एक्टर जितने मशहूर अपनी एक्टिंग के लिए है, उससे कही ज्यादा चर्चे उनके इस बेफिक्रे अंदाज के है। रणवीर सिंह चाहे किसी शो में जाये, चाहे किसी ट्रिप पर नजर आये उनके ऑउटफिट्स अक्सर लाइमलाइट में आ जाते है। कई बार उनका मजाक भी बनता है लेकिन वह इन सबसे बेफिक्र अपने फैशन से कोई समझौता नहीं करते। लेकिन लुक्स और कपड़ों को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले रणवीर की अब न्यूड तस्वीरों ने तहलका मचा दिया है। उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई हैं। बता दे, रणवीर की ये तस्वीरें एक मैगजीन के लिए कराए गए फोटोशूट की हैं। इन तस्वीरो में रणवीर एक टर्किश कालीन पर अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे हैं। किसी फोटो में वह लेटे हुए हैं तो किसी में वह बैठे हैं। एक्टर की इन तस्वीरो को देखकर ये तो साफहै वो कुछ भी करने के लिए तैयार है। वो किसी चीज से नहीं डरते। सामने आई इन तस्वीरों में रणवीर फुल कॉन्फिडेंस के साथ अपनी मस्क्यूलर बॉडी को फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। वही, इन तस्वीरो को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स और एक्टर के फैंस भी हैरान रह गए है। एक्टर इतने बोल्ड हो जायेंगे इसका किसी को अंदाजा भी नहीं था। ऐसे में कुछ लोग जहां उनकी इस हिम्मत की तारीफे कर रहे है, वही कुछ लोग एक्टर को उनकी इस हरकत के लिए ट्रोल करते भी नजर आ रहे है।

किसी ने कमेंट कर पूछा है कि क्या दीपिका ने अपनी अलमारी पर ताला दिया। तो कोई बोला मुंबई मे प्रॉपर्टी खरीदने के बाद आदमी नंगा हो जाता है। रणवीर ने न्यूड फोटोशूट पर इंटरव्यू में कहा, फिजिकली नेकेड होना मेरे लिए बहुत आसान है। मेरे कुछ परफॉर्मेंस में मुझे नेकेड किया गया है। आप मेरी आत्मा देख सकते हैं। वह कितना नेकेड है? मैं एक हजार लोगों के सामने नेकेड हो सकता हूं। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता। बस इतना है कि वो असहज हो जाते हैं।

कियारा आडवाणी ने रिवीलिंग नाइटी में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी वैसे तो अपनी फिल्मों और लव लाइफको लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। मगर इस बार एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस की वजह से लाइमलाइट में छाई हुई है। अभिनेत्री का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है जिसमें उनके कर्वी फिगर ने एक बार फिर उनके चाहने वालों का दिन बना दिया है। इस वीडियो पर फैंस दिल खोलकर एक्ट्रेस की तारीफकर रहे है वहीं नाइटी जैसी ड्रेस में एक्ट्रेस को देख कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल भी कर दिया है।कियारा आडवाणी के वायरल वीडियो को एक पैपराजी अकाउंट से इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। सामने आए इस क्लिप में कियारा क्रीम और ब्लू कलर के कॉम्बिनेशन में नाइटी पहने स्पॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये नाइटी ना केवल ब्रालेस है बल्कि बैकलेस भी है। जो कि अभिनेत्री को बोल्ड लुक दे रही है। हैरानी की बात ये है कि एक्ट्रेस की ये नाइटी दो पतली सी डोरियों पर टिकी हुई है।वीडियो में कियारा पैपराजी के सामने पोज देती नजर आ रही है। इस नाइटी ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने अपने लुक को पूरा करने के लिए लाइट मेकअप कर रखा है।

इस तरह से करें मशरुम का सेवन सेहत को मिलेंगे कई फायदे

सब्जियां और फल स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। पिछले कुछ सालों में इनका प्रयोग बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। इन्हीं सब्जियों में से एक मशरुम की सब्जी भी है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन-डी, प्रोटीन, कैल्शियम और पौटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। पूरी दुनिया में मशरुम की कम से कम 14 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से खाने में सिर्फ 3 प्रजातियों का ही इस्तेमाल किया जाता है। मशरुम को लोग उबालकर खाना पसंद करते हैं, लेकिन कुछ इसका सेवन तलकर करते हैं तो कुछ सलाद के तौर पर कच्चा ही खा लेते हैं। क्या आप जानते हैं मशरुम खाने का सही तरीका क्या होता है? तो चलिए आपको बताते हैं कि मशरुम कैसे खानी चाहिए...

कैसे पकाएं मशरुम?

मशरुम में विटामिन-बी, डी, फोलेट, मैग्नीशियम, फाइबर, कॉपर और बहुत से तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह पोषक तत्व एक-दूसरे से अलग होते हैं। इसलिए इसमें पाए जाने वाले तत्वों का सही लाभ लेने के लिए इसको अच्छे से पकाना भी आवश्यक है। बहुत से लोग मशरुम को उबालकर और फिर उसे फ्राई करके पकाते हैं। इससे मशरुम का स्वाद तो बढ़ जाता है, लेकिन इस प्रोसेस के दौरान उसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसे हल्का सा तलकर और भूनकर ही खाना चाहिए।

क्या मशरुम तल कर खाना फायदेमंद है?

बरसात के मौसम में कई लोग मशरुम के पकौड़े खाना भी बहुत पसंद करते हैं। तले हुआ मशरुम खाने में बहुत ही स्वाद होता है। परंतु गर्म तेल में मशरुम तलने के कारण इसके पोषक तत्वों पर गहरा असर पड़ता है। स्पेन में ला रियोजा के मशरुम टेक्नोलॉजिकल रिसर्च सेंटर के एक शोध के अनुसार, मशरुम को तलने के दौरान इसमें पाए जाने वाले प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स कम हो जाते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मशरुम को तलकर खाने से स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। इसलिए मशरुम हमेशा ग्रिल करके या फिर इसे हल्का तलकर ही इसका सेवन करना चाहिए।

क्या मशरुम कच्चा खाना चाहिए?

बहुत से लोग मशरुम को सलाद के तौर पर खाते हैं। परंतु कच्चा मशरुम कच्चा खाने से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। इसमें रेशे होते हैं। यदि इसको कच्चा खाया जाए तो ये गले और स्किन को इंफेक्शन का कारण भी बन सकता है।

दिन में कितना मशरुम सेहत के लिए फायदेमंद होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, एक दिन में कम से कम 100 ग्राम के लगभग मशरुम का सेवन करना चाहिए। 100 ग्राम मशरुम में 22 मात्रा कैलोरीज पाई जाती है। यदि इससे अधिक मशरुम का सेवन किया जाए तो मोटापा और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मशरुम खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं?

स्तन और प्रोस्टेट कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव

रिसर्च के अनुसार, यदि नियमित तौर पर सही मात्रा में मशरुम का सेवन किया जाए तो स्तन और प्रोस्टेट कैंसर का बचाव किया जा सकता है। इसमें एंटी-ट्यूमर, इम्यूनोमॉड्यूलेटरी और एंटी-कैंसर पाए जाते हैं। इसके अलावा मशरुम में फेनोलिक यौगिक नाम का पोषक तत्व भी पाया जाता है, जो महिलाओं को स्तन कैंसर से बचाने में मदद कर सकता है।

डायबिटीक मरीजों के लिए फायदेमंद

रिसर्च में यह बात साबित हुई है कि मशरुम में एंटी-डायबिटीक गुण पाए जाते हैं, जो आपकी ब्लड में मौजूद शुगर लेवल कम करने में सहायता करते हैं। इसका सेवन करके डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी से बचा जा सकता है। यदि इसका सेवन डायबिटीज दूर करने वाली बीमारियों के साथ किया जाए तो शरीर में इंसुलिन की मात्रा में बेहतर करने में भी मददगार साबित होती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No. UPHIN/2010/33668
Email Id. andazelucknow@gmail.com
उप सम्पादक: मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला,
छायाकार : सदफ हसन (शानू)
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।